GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 1
January-February: 2026

भारत - नेपाल सांस्कृतिक, सामाजिक एवं शैक्षिक संबंध- आदिकाल से वर्तमान तक

प्रोफेसर सुषमा पांडे
शिक्षाशास्त्र विभाग

पीयूष कुमार
शोध छात्र

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर

सारांश-

नेपाल भारतीय उपमहाद्वीप का एक छोटा किंतु रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण देश है, जिसकी सीमाएं तीन दिशाओं से भारत से जुड़ी हुई है। लगभग 1850 किलोमीटर लंबी खुली सीमा और दोनों देशों के बीच निर्बाध आवाजाही गहन राजनैतिक ,सांस्कृतिक एवं सामाजिक संबंधों का प्रतीक है। भारत और नेपाल का संबंध केवल भौगोलिक निकटता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक स्तर पर भी गहराई से जुड़ा हुआ है। राम-सीता विवाह और बुद्ध के जीवन के प्रसंग इन संबंधों की प्राचीनता और निकटता के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं इसी प्रकार नेपाल की लगभग 40 पर्सेंट जनसंख्या रोजगार हेतु भारत से जुड़ी है और नेपाल का लगभग 60% विदेशी व्यापार भारत के साथ ही होता है यही कारण है कि भारत और नेपाल के बीच के संबंधों को बेटी-रोटी का संबंध कहा जाता है। भारत और नेपाल इस प्रकार से जुड़े हुए हैं कि भारत की आर्थिक नीतियों का सीधा प्रभाव नेपाल की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है और दोनों देशों के बीच विश्वास इतना गहरा है कि भारतीय सेना में गोरखा रेजीमेंट नाम की नेपाली मूल के गोरखा युवाओं का एक अलग रेजीमेंट ही है, जो अपने वीरता एवं समर्पण के लिए विश्व प्रसिद्ध है। भारत भी नेपाल के सेना को समय-समय पर प्रशिक्षण एवं सहयोग प्रदान करता है दोनों देश संयुक्त युद्धाभ्यास भी करते हैं एवं एक दूसरे की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध रहते हैं। इस प्रकार भारत-नेपाल संबंध केवल दो पड़ोसी देशों का संबंध ही नहीं बल्कि यह सांस्कृतिक, सामाजिक ,धार्मिक, शैक्षिक ,आर्थिक एवं सैन्य सहयोग का अद्वितीय उदाहरण है।

मुख्य शब्द - भारत-नेपाल, सांस्कृतिक,धार्मिक, शैक्षिक

प्रस्तावना - नेपाल भारतीय उप महाद्वीप में अवस्थित एक छोटा सा देश है जो हिमालय के तराई में बसा है और इसकी सीमाएं तीन दिशाओं से भारत से ही जुडी हैं तथा इन दोनों देशों के बीच लगभग 1850 की०मी० लम्बी सीमा रेखा मौजूद है, लेकिन यह दोनों देश प्राचीन काल से ही भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक रूप से इस प्रकार जुड़े हुए हैं कि 1850 की० मी० लंबी सीमा रेखा दोनों देशों के बीच निर्बाध रूप से

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 1
January-February: 2026

आवाजाही के लिए खुला रहता है अर्थात दोनो देश के निवासी एक दूसरे देश की सीमा में बिना किसी रुकावट के आते-जाते हैं इसके लिये किसी पासपोर्ट या वीज़ा की आवश्यकता नहीं होती है इसी प्रकार धार्मिक रूप से भी दोनों देश एक दूसरे से बहुत घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं हिंदू और बौद्ध धर्म के संबंध में दोनों देशों में बहुत घनिष्ठ है जहां भगवान राम अयोध्या के थे वही माता सीता नेपाल के जनकपुर की थीं इसी प्रकार जहां महात्मा बुद्ध की जन्मस्थली नेपाल के लुंबिनी में था वहीं उनकी कर्मस्थली, ज्ञानस्थली व निर्वाणस्थली भारत में था इस प्रकार आदिकाल से भारत और नेपाल एक दूसरे के बहुत घनिष्ठ रहे हैं भारत नेपाल के इस ऐतिहासिक ,सांस्कृतिक, भौगोलिक, सामाजिक संबंधों के कारण नेपाल हमेशा से भारतीय विदेश नीति में विशेष महत्व रखता है नेपाल और भारत के बीच इतने भावनात्मक संबंध है कि कहा जाता है कि नेपाल और भारत में बेटी-रोटी का संबंध है अर्थात नेपाल के लोग अपने बच्चों की विवाह भारत में करते हैं और भारत के लोग अपने बच्चों की विवाह नेपाल में करते हैं जैसे कि अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का विवाह नेपाल में जनकपुर के राजा विदेह-राज जनक की पुत्री माता सीता से हुआ था, जो भारत और नेपाल के लोगों के मध्य पारिवारिक संबंधों का प्राचीनतम उदाहरण है ।ठीक उसी प्रकार नेपाल के लोग नौकरी-पेशा या व्यापार के लिए भारत में जाते हैं और भारत के लोग भी नौकरी-पेशा या व्यापार के लिए नेपाल में भी सामान्य रूप से जाते हैं नेपाल का लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या रोजगार व पेशा के लिये भारत पर निर्भर है अथवा भारत में ही नौकरी-पेशा या व्यापार करते है तथा भारत में होने वाली राजनैतिक, आर्थिक एवं औद्योगिक घटनाओं एवं नीतियों का प्रत्यक्ष प्रभाव नेपाल पर भी पड़ता है। अर्थात यदि भारत में आर्थिक संकट आता है या महंगाई बढ़ती है तो उसका सीधा प्रभाव नेपाल पर भी पड़ता है और नेपाल में भी महंगाई बढ़ जाती है अर्थात वस्तुएं वहाँ भी महंगी हो जाती हैं। नेपाल का 60 प्रतिशत विदेशी व्यापार भारत से केन्द्रित है और नेपाल के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) मे लगभग आधा हिस्सा भारत का होता है जो नेपाल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है इसी प्रकार नेपाल के श्रम शक्ति भी भारतीय उत्पादकों के लिए महत्वपूर्ण स्थान रखती है क्योंकि माना जाता है कि नेपाल के निवासीयों में कार्य क्षमता बहुत अधिक होती और वह अपने कार्य के प्रति बहुत ईमानदार होते हैं। विश्वास के धागों से भारत और नेपाल बंधे हुए हैं कि भारतीय सेना में गोरखा रेजीमेंट नामक एक अलग रेजीमेंट है जिसमें केवल नेपाली मूल के गोरखा युवाओं को भारतीय सेना में सेवा देने के लिए भर्ती की जाती है जो हमेशा से अपने बहादुरी ,निर्भीकता और भारत के प्रति समर्पण एवं बलिदान के लिए अग्रणी रूप में जानी जाती रही हैं विश्व के किसी अन्य देश में यह दुर्लभ एवं विश्वासपात्र संबंध देखने को नहीं मिलेगा जहां एक पड़ोसी देश के द्वारा दूसरे पड़ोसी देश के निवासियों को अपनी सेना में इतनी बड़ी संख्या में या एक

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 1
January-February: 2026

अलग रेजीमेंट के रूप में रखा जाए इसी प्रकार भारत भी नेपाल की सेना को समय-समय पर ट्रेनिंग देता है और नेपाल के सैन्य अधिकारियों का प्रशिक्षण भी भारतीय सैन्य अकादमी में होता है इस प्रकार दोनों देश एक दूसरे की सुरक्षा एवं सहयोग के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहते हैं और समय-समय संयुक्त युद्धाभ्यास भी करते हैं।

भारत नेपाल के सांस्कृतिक संबंध- भारत और नेपाल सांस्कृतिक रूप से वैसे ही जुड़े हुए हैं जैसे कि वह कभी दो देश हों ही नहीं बल्कि बड़े भाई और छोटे भाई हों। प्राचीन काल से ही भारत और नेपाल की साझी संस्कृति रही है। कुछ लोग यहां तक कहते हैं कि नेपाल की संस्कृति भारतीय संस्कृति का ही विस्तार है इसमें अगर हम मुख्य रूप से बात करें तो धर्म, धार्मिक स्थल ,पूजा पद्धति, त्यौहार, भाषा जैसे कई प्रमाण देखने को मिलते हैं जिसमें सबसे पहले यदि धर्म की बात करें तो हम पाएंगे प्राचीन काल से ही भारत और नेपाल दोनों देश हिंदू और बौद्ध धर्म की साझी संस्कृति से जुड़े हुए देश हैं जहां एक ओर भगवान श्री राम भारत के अयोध्या से संबंध रखते थे वही उनका विवाह नेपाल के जनकपुर के राजा जनक की पुत्री माता सीता के साथ हुआ था यह प्राचीनतम सांस्कृतिक एवं पारिवारिक संबंधों के सर्वमान्य उदाहरण है इसी प्रकार यदि बौद्ध धर्म के संबंध में बात करें तो पाएंगे कि महात्मा बुद्ध की जन्मस्थली नेपाल के कपिलवस्तु स्थान था, जब कि उनकी कर्मस्थली, ज्ञान प्राप्ति का स्थान, और निर्वाण स्थल भारत में था इस प्रकार धर्म की दृष्टि से भारत और नेपाल में हमेशा से एक सामानता पाई जाती है वर्तमान समय में भी भारत और नेपाल की अधिकांश जनसंख्या धार्मिक दृष्टि से भी एक समान धर्म को मानने वाले अर्थात हिंदू धर्म को मानने वाले ही हैं इस दृष्टि से भी इन दोनों देश की संस्कृति में एकरूपता एवं अपनापन प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है भारत और नेपाल के विभिन्न धार्मिक स्थल मठ एवं मंदिर इस संबंधों को और भी अधिक गहराई प्रदान करते हैं | जैसे नेपाल में स्थित पशुपतिनाथ मंदिर भारत के हिंदू धर्म के अनुयायियों के लिए भगवान शिव का एक प्रमुख मंदिर है जहां प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में भारतीय दर्शनार्थी जाते हैं इसी प्रकार भारत के अयोध्या, सारनाथ,कुशीनगर, बोधगया, वाराणसी, मथुरा, जैसे कई अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों पर नेपाली हिंदू एवं बौद्ध धर्म के मानने वाले लोग बड़ी संख्या में बिना किसी रुकावट के तीर्थ यात्रा एवं दर्शन के लिए आते हैं यह दोनों देश के बीच सांस्कृतिक एवं धार्मिक संबंधों का प्रत्यक्ष उदाहरण है। इसी प्रकार दोनों देशों के अधिकांश निवासियों की पूजा पद्धति लगभग एक समान है, क्योंकि दोनों देशों के अधिकांश जनसंख्या एक ही धर्म हिंदू धर्म को मानने वाली हैं | जिसका प्रभाव उनके पूजा पद्धति पर प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है दोनों देशों में हिंदू देवी देवताओं की पूजा अधिकांश लोग करते हैं तथा इससे संबंधित व्रत, हवन- पूजन से संबंधित परंपराएं भी लगभग समान ही है इसी प्रकार यदि दोनों देश के प्रमुख धार्मिक त्योहारों की बात करेंगे तो देखेंगे की भारत में मनाई जाने वाली सभी प्रमुख धार्मिक त्यौहार जैसे होली, दीपावली,

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 1
January-February: 2026

दशहरा, रामनवमी, छठ पूजा आदि नेपाल की अधिकांश जनसंख्या द्वारा भी लगभग समान रूप से मनाई जाती है दोनों देशों में सबसे अधिक समय तक चलने वाला त्यौहार नवरात्रि तथा विजयादशमी है जिसे नेपाल में दशई नाम से भी जानते हैं दीपावली जो भारत का सबसे प्रमुख त्यौहार है वह नेपाल का भी दुसरा सबसे बड़ा त्यौहार है होली भी भारत और नेपाल दोनों जगह समान रूप से मनाया जाता है और इसी प्रकार छठ पूजा जो बिहार और उत्तर प्रदेश का प्रमुख त्यौहार है वह लगभग पूरे नेपाल में भी मनाया जाता है इसी प्रकार दोनों देशों के अधिकांश निवासियों के द्वारा मनाये जाने वाले पर्व और त्यौहार भी लगभग समान ही हैं। इन सांस्कृतिक संबंधों को भारत और नेपाल के वर्तमान सरकार द्वारा आपसी सामंजस्य से नई दिशा प्रदान करने की एक सफल प्रयास किया जा रहा है इसके तहत भारत सरकार नेपाल के लोगों से संपर्क को प्रोत्साहित करती है जिसके लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों ,सम्मेलनों तथा सेमिनारों का आयोजन करती है ताकि भारत और नेपाल के भावनात्मक जुड़ाव को कायम रखते हुए उसे और प्रगाढ़ किया जा सके भारत नेपाल सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए दोनों देश के मध्य थ्री सिस्टर सिटी समझौता हुआ है इसके अन्तर्गत भारत के तीन शहरों वाराणसी-अयोध्या और बोधगया तथा नेपाल के भी तीन शहरों काठमांडू, जनकपुर और लुंबिनी का विकास किया जाएगा एवं इन शहरों के बीच आने जाने के लिए सड़क एवं परिवहन की और बेहतर सुविधा विकसित किया जाएगा इसी प्रकार भगवान राम और माता सीता से संबंधित धार्मिक स्थलों अयोध्या और जनकपुर के विकास और इन दोनों शहरों के बीच बेहतर सड़क एवं परिवहन की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रामायण सर्किट नामक योजना के अंतर्गत निर्माण एवं विकास के कार्य किये जा रहें है इसके अंतर्गत अयोध्या से बिहार के सीतामढ़ी होते हुए नेपाल के जनकपुर तक बेहतर सड़क का निर्माण हो रहा है जिससे तीर्थ यात्रियों को यात्रा करने में सुविधा हो पर्यटन को बढ़ावा मिल सके और भारत एवं नेपाल के सांस्कृतिक एवं धार्मिक संबंधों को नई दिशा प्रदान किया सके। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी नेपाल यात्रा के दौरान कहा कि "ऐसा लग रहा है मैं अपने घर ही हूं" इस यात्रा में दोनों पक्षों द्वारा भारत नेपाल सांस्कृतिक संबंधों को और बढ़ावा देने के लिए बहुआयामी प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया गया तथा प्रधानमंत्री मोदी ने अपने नेपाल यात्रा के दौरान नेपाल में विद्यमान ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास में भारत द्वारा सभी प्रकार की सहायता उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त की और यह विश्वास दिलाया कि भारत नेपाल के धार्मिक ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों के विकास में पूर्ण सहयोग करेगा और इस पर आगे बढ़ते हुए नेपाल तक सड़क एवं रेल मार्ग दोनों की सुविधा बेहतर करने के लिए कार्य किया जा रहा है और भारत एवं नेपाल के बीच रेल सुविधा प्रारंभ हो चुकी है भारत और नेपाल के बीच नई रेल सेवा का शुभारंभ 3 अप्रैल 2022 से किया गया है भारत के प्रधानमंत्री मोदी

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 1
January-February: 2026

तथा नेपाली प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए इसका उद्घाटन किया। यह ट्रेन बिहार के मधुबनी ज़िले के जयनगर स्टेशन से नेपाल के जनकपुर धाम होते हुए कुर्था स्टेशन तक जाएगी। इन स्टेशनों के बीच के 34.5 किमी की रेलवे लाइन का उद्घाटन किया गया। नेपाल में स्थित जनकपुर का भारत के लिए विशेष महत्व है क्योंकि माता सीता का जन्म स्थान है और यह स्थान भारत की सीमा से 25 किलोमीटर अंदर नेपाल में स्थित है इसलिए भारत जनकपुर शहर और वहां जाने के लिए परिवहन सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दे रहा है इसी प्रकार भारत के उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में स्थित गोरक्षनाथ मंदिर जो नाथ संप्रदाय का विश्व प्रसिद्ध एवं सर्वोच्च पीठ माना जाता है जिसके वर्तमान पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी हैं जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी हैं इस गोरक्षनाथ मंदिर का भी नेपाल से प्राचीन काल से घनिष्ठ संबंध रहा है गोरक्षनाथ मंदिर में प्रति वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर गुरु गोरक्षनाथ को नेपाल राज परिवार की ओर से आई हुई खिचड़ी ही सर्वप्रथम चढ़ाई जाती है और यह परंपरा सैकड़ो वर्षों से चली आ रही है जो यह प्रदर्शित करता है कि नेपाल का भारत में सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से भी कितना महत्व है अतः यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि भारत और नेपाल के बीच के सांस्कृतिक एवं धार्मिक संबंध इतने गहरे है कि कई हजार वर्षों से दोनों देश को एक सूत्र में बांधे हुए हैं।

भारत एवं नेपाल के सामाजिक संबंध- भारत और नेपाल सामाजिक रूप से भी एक दूसरे से बहुत ही घनिष्ठता से जुड़े हुए हैं | आधुनिक काल में इन संबंधों की आधारशिला भारत की आजादी के बाद 1950 में भारत-नेपाल मैत्री संधि-1950 के माध्यम से रखा गया जो दोनों देशों के रिश्ते को कानूनी आधार प्रदान करता है एवं दोनों देशों के सामाजिक रिश्ते के बीच सेतु का कार्य करता है | जिसका अनुच्छेद-6 के अंतर्गत भारतीय एवं नेपाली नागरिकों को दोनों देशों में राष्ट्रीय स्तर पर समान व्यवहार का अधिकार प्रदान करता है, और अनुच्छेद- 7 दोनों देशों के नागरिकों को बिना वीजा-पासपोर्ट एक दूसरे के परिक्षेत्र में रहने,संपत्ति रखने, स्वतंत्रता पूर्वक व्यापार करने एवं यात्रा करने का अधिकार प्रदान करता है | इसी कड़ी में 21वीं सदीं में भारत ने अपने पड़ोसी देशों के साथ के रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए 2008 में नेवर-हुड पॉलिसी (पड़ोसी प्रथम नीति) की शुरुआत की और 2014 के बाद इसे विशेष प्राथमिकता दी गई जिसका मुख्य उद्देश्य अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्तो को और मजबूती प्रदान करना है| इस नीति के तहत भी नेपाल के साथ रिश्तों को सर्वाधिक महत्व दिया गया इसी को ध्यान में रखते हुए कोविड के दौरान कोविड की वैक्सीन नेपाल जैसे पड़ोसी देश को सबसे पहले प्रदान किया गया ताकि नेपाल के साथ सहयोग एवं विश्वास के संबंध को और मजबूत किया जा सकें इन सामाजिक संबंधों को बोल-चाल की भाषा, रहन-सहन ,खान-पान जैसे कई आधारों पर स्पष्ट रूप से देखा जा

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 1
January-February: 2026

सकता है नेपाल की लगभग 40 प्रतिशत जनता मधेशी है | जो कि भारतीय मूल के ही मानें जाते हैं इस प्रकार नेपाल की जनसंख्या का बहुत बड़ा भाग भारतीय मूल का ही है तथा नेपाल में भारत की कई प्रमुख भाषाएं एवं बोलियां भी समान रूप से बोली जाती है हिंदी ,भोजपुरी, मैथिली,अवधी ऐसी भाषाएं हैं जो नेपाल में भी लोकप्रिय है इसमें से हिंदी नेपाल में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है | यूपी और बिहार से सटे हुए नेपाल के सीमावर्ती इलाकों की अधिकांश जनसंख्या भोजपुरी ही बोलती है तथा उत्तर प्रदेश के सीमा से सटे हुए नेपाल के क्षेत्र में अवधी भी सामान्य रूप से बोली जाती है | नेपाल के लोगों का रहन-सहन भारतीय लोगों से काफी मिलता-जुलता है तथा खानपान में भी नेपाल और भारत में बहुत समानता पाई जाती है | भारत और नेपाल के लोगों की नृत्य संगीत, त्योहार,पूजा- पद्धति और शादी विवाह के तरीके लगभग एक जैसे ही हैं |भारत और नेपाल के लोग सामाजिक रूप से एक दूसरे से इस प्रकार जुड़े हुए हैं कि भारत के निवासी अपने बच्चों की विवाह नेपाल में करते हैं और नेपाल के निवासी अपने बच्चों की भारत में करते हैं इसी प्रकार नेपाल की अधिकांश जनता नौकरी- पेशा ,व्यापार,चिकित्सा आदि के लिए भारत पर ही सामान्य रूप से निर्भर है जैसे भारत के सामान्य भारतीय नागरिक होते हैं इसी कारण भारत और नेपाल के बीच में बेटी और रोटी का संबंध माना जाता है | आंकड़ों के अनुसार नेपाल के 40% जनसंख्या रोजगार के लिए भारत पर आश्रित है और नेपाल का लगभग 60% से अधिक वैश्विक व्यापार भारत केंद्रित ही है और लगभग नेपाल का 90% अंतर्राष्ट्रीय व्यापार भारत के सीमा से ही होता है अर्थात नेपाल की अधिकांश जनसंख्या पारिवारिक संबंधों के साथ-साथ नौकरी-पेशा ,व्यापार, जैसे अन्य आवश्यक कार्यों के लिए भारत ही आते हैं इसी प्रकार नेपाल की सीमा से लगे हुए भारतीय राज्यों कि सीमावर्ती क्षेत्रों की जनता एवं भारतीय समाज भी नेपाल से इस प्रकार से जुड़ा हुआ है कि उसे अपने दूसरे घर की तरह समझता है जिससे कहीं ना कहीं भारत और नेपाल के सामाजिक संबंध की गहराई प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देती है और यह सभी कार्य उन सामाजिक संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करते हुए उन्हें नई ऊंचाइयों पर ले जाने का कार्य कर रहे हैं।

भारत- नेपाल शैक्षिक संबंध- शिक्षा के क्षेत्र में प्राचीन काल से ही भारत और नेपाल एक दूसरे के बहुत घनिष्ठ रहे हैं | यह संबंध प्राचीन गुरुकुल प्रणाली के समय से ही चला आ रहा है नेपाल के निवास करने वाले लोग प्राचीन काल से ही भारत में शिक्षा ग्रहण करते आ रहे हैं और यह प्रथा निर्वाध रूप से अभी तक चल रहा है प्राचीन काल से ही में नेपाल के छात्र काशी, पटना, दार्जिलिंग ,देहरादून ,गोरखपुर, जैसे विभिन्न भारतीय नगरों में अपनी शिक्षा ग्रहण करते आ रहे हैं। सन् 1918 में नेपाल का प्रथम आधुनिक उच्च शिक्षा का महाविद्यालय त्रिचंद्र कॉलेज स्थापित हुआ जिसकी संबद्धता पहले कोलकाता विश्वविद्यालय से थी जिसे बाद में बदलकर पटना

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 1
January-February: 2026

विश्वविद्यालय से संबद्ध किया गया इस तरह नेपाल का प्रथम आधुनिक महाविद्यालय का संचालन भी भारतीय विश्वविद्यालय के अनुरूप ही हो रहा था और इसकी उपाधि भी पहले कोलकाता विश्वविद्यालय और बाद में पटना विश्वविद्यालय द्वारा ही प्रदान किया जा रहा था ।सन 1959 में नेपाल में त्रिभुवन विश्वविद्यालय की स्थापना हुई जिसके स्थापना तथा नीतियों के निर्माण में भारत एवं भारतीय विश्वविद्यालयों से विशेष सहयोग लिया गया भारतीय विशेषज्ञों ने पाठ्यक्रम विकसित करने और शैक्षिक ढांचा तैयार करने में तकनीकी सहायता प्रदान की, जिससे नेपाल में उच्च शिक्षा की नींव मजबूत हुई सन 1959 से पहले नेपाल में स्नातकोत्तर (PG) की शिक्षा उपलब्ध नहीं थी उस समय तक स्नातकोत्तर की शिक्षा ग्रहण करने वाले नेपाल के अधिकांश लोग भारत ही आते थे। भारत में अभी भी नेपाल के अधिकांश विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते हैं और भारत के उच्च शिक्षण संस्थान जैसे आईआईटी, आईआईएम, एनआइटी, जेएनयू ,दिल्ली विश्वविद्यालय, पटना विश्वविद्यालय ,गोरखपुर विश्वविद्यालय, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, जैसे सैकड़ो भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में नेपाल के लाखों विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते हैं | इसी प्रकार भारत के भी सैकड़ो विद्यार्थी प्रतिवर्ष मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए नेपाल में त्रिभुवन विश्वविद्यालय और नेपाल के अन्य मेडिकल कॉलेज में जाते हैं क्योंकि वहां मेडिकल शिक्षा की शुल्क भारत के प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की अपेक्षा कम है | शिक्षा के क्षेत्र में भारत और नेपाल सरकार ने विद्यार्थियों की सुविधा को देखते हुए अलग नीति तैयार किया है ताकि दोनों देशों के विद्यार्थीयों को कोई असुविधा न हो इसी प्रकार नेपाल के छात्रों को आकर्षित करने के लिए भारत सरकार द्वारा अनेकों छात्रवृत्ति योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। ऑल इंडिया सर्वे आन हायर एजुकेशन (AISHE) 2021-22 के अनुसार भारत में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों में सबसे अधिक संख्या नेपाल के छात्रों की है जो भारत में पढ़ने वाले कुल विदेशी छात्रों का लगभग 28% है जो देश के लगभग 200 से अधिक शिक्षण संस्थानों में उच्च शिक्षा-जैसे- इंजीनियरिंग,मेडिकल, पीएचडी आदि ग्रहण कर रहे हैं। भारत नेपाल में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर सहयोग भी प्रदान करता रहा है, जिसके तहत पिछले वर्ष ही भारत ने नेपाल के 48 जिलों में 81 स्कूल बस और अच्छा एवं स्वास्थ्य से जुड़ी हुई 5 उच्च स्तरीय परियोजना के लिए 390 मिलियन अनुदान प्रदान किया है | जिसके अंतर्गत 4 माध्यमिक विद्यालयों एवं एक अस्पताल का निर्माण होना है। नेपाल में शैक्षिक आधारभूत सुविधाओं से लेकर शैक्षिक नीति निर्माण तक के कार्यों में भारतीय सहयोग और नेपाल का उसके प्रति विश्वास ही भारत और नेपाल के शैक्षिक संबंधों की वर्तमान और भविष्य का परिदृश्य तय कर रहा है | उम्मीद है कि इससे भारत- नेपाल के शैक्षिक संबंधों को नई ऊंचाई मिलेगी।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 1
January-February: 2026

निष्कर्ष- भारत और नेपाल सांस्कृतिक, सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से एक दूसरे के इतने निकट हैं कि इन दोनों देशों के बीच की सीमाएं एक औपचारिकता मात्र रह गया है | दोनों देशों के लोग सांस्कृतिक एवं धार्मिक एवं सामाजिक रूप से एक जैसे ही धर्म, परंपरा, रहन-सहन,वेश-भूषा,भाषा, तथा त्योहार के मानने वाले हैं और एक दूसरे के वहां सामान्य रूप से वैवाहिक संबंध भी स्थापित करते हैं | जैसे कि वह संबंध अपने ही देश में कर रहे हों ठीक उसी प्रकार रोजगार और व्यापार के लिए भी एक दूसरे पर सामान्य रूप से आश्रित है नेपाल की बहुत बड़ी जनसंख्या रोजगार एवं व्यापार के लिए भारत ही आते है | जैसे वह अपने ही देश में हों इसीलिए इन दोनों देशों के बीच बेटी-रोटी का संबंध कहा जाता है। शैक्षिक क्षेत्र में भी कुछ ऐसे ही मधुर संबंध हैं क्योंकि नेपाल के उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अधिकांश विद्यार्थियों की पहली पसंद भारत ही है तभी तो भारत में शिक्षा प्राप्त करने वाले विदेशी छात्रों में नेपाल के छात्रों की संख्या 28% है। भारत और नेपाल के संबंध विश्वास के ऐसे मजबूत धागे से बंधे हुए हैं कि भारत की सेना में नेपाल मुल कि गोरखा रेजीमेंट है जो अपने साहस एवं बलिदान के लिए विश्व प्रसिद्ध है और वह भारत की सीमाओं की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहती है, विश्वास का ऐसा मजबूत एवं दुर्लभ संबंध आपको विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा | जहां एक पड़ोसी देश के द्वारा दूसरे पड़ोसी देश के निवासियों को अपनी सेना में इतनी बड़ी संख्या में या एक अलग रेजीमेंट के रूप में रखा जाए। भारत भी नेपाल को चीन जैसे विस्तारवादी शक्तियों से सुरक्षा प्रदान करता है अब आवश्यकता यह है कि भारत और नेपाल की भविष्य में आने वाली पीढियां दोनों देशों के बीच प्राचीन काल से चली आ रही सहयोग एवं विश्वास के संबंधों की प्रगाढ़ता को समझें- महसूस करें और वाह्य शक्तियों एवं दूसरे देशों के अनुचित प्रभाव में आए बिना इसे नई ऊंचाई तक ले जाएं।

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1-सिंह उदयभान, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मैकग्रॉ हील एजुकेशन प्रा० लि०, 2024

2-मिश्रा राजेश, भारतीय विदेश नीति ओरिएंट ब्लैक स्वान, 2022

3- इकोनॉमिक्स टाइम्स,22 अक्टूबर 2025

4-सिंह एन०एस०, भारत नेपाल अंतरराष्ट्रीय संबंध, 2016

5- वर्मा ठाकुर प्रसाद,भारत नेपाल के प्राचीन संबंध, 2015

6- अग्रवाल कृष्ण देव, नेपाली संस्कृत अभिलेखों का हिंदी अनुवाद -1985

7- WWW.Shodh.net

8- iasscore.in